संक्षिप्त सार

स्वयंसेवी संस्था उदिशा ने मनाया बाल शोषण व बाल मज़दूरी उन्मूलन अभियान

नई दिल्ली। स्वयं सेवी संस्था उदिशा, संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद से संबद्ध है। पिछले 26 वर्षो से उदिशा का मुख्यत शिक्षा, रोजगार, सतत विकास और महिला एवं बाल विकास से संबंधित गतिविधियों में संलग्न है। उदिशा की पिछले 20 वर्षो से वोमेंस वर्ल्ड समिट फाउंडेशन/ जिनेवा द्वारा बच्चों और युवाओं के खिलाफ हिंसा की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अंतर्राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी रही है। इस वर्ष इस अभियान की इस श्रृंखला मेंउदिशा ने लाल बहादुर शास्त्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-3, आर.के. पुरम, नई दिल्ली में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा की रोकथाम पर एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस वर्ष, अभियान में पॉक्सो अधिनियम, 2012 के विभिन्न प्रावधानों पर एक व्याख्यान और स्कूली पाठ्यक्रम में कानूनी शिक्षा शुरू करने के महत्व पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जागरूकता अभियान दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष जतन सिंह मुख्य अतिथि थे। श्री लव दीप गौड़, नई दिल्ली जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के वकील और श्रीवीरेंद्र पुंज, सहायक पुलिस आयुक्त (सतर्कता) सम्मानित अतिथि व वक्ता थे। श्री लव दीप गौड़ ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशनके माध्यम से पोस्को अधिनियम के सभी पहलुओं की सरल भाषा में की व्याख्या की। श्री गौड़ ने स्कूली छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया, जिसमें उन्होंने स्कूली बच्चों द्वारा उठाए गए कई सवालों के जवाब दिए।

दिल्ली में मेट्रो ट्रेन से घिसटकर घायल हुई महिला ने दम तोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली में एक मेट्रो स्टेशन के गेट में महिला की साड़ी फंसने से हुई मौत पर परिवार और रिश्तेदारों में जबरदस्त गुस्सा है। महिला के शव को लेकर उन्होंने आज नांगलोई रोड पर जाम लगाकर नारेबाजी की। उनकी मांग है पीड़ित परिवार को इंसाफ दिया जाए। इन लोगों का आरोप है कि इसके दिल्ली मेट्रो जिम्मेदार है। दोनों छोटे बच्चे अनाथ हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन से गाजियाबाद की ओर जाने वाली मेट्रो ट्रेन के गेट में गुरुवार दोपहर 35 साल की रीना की साड़ी फंस गई थी। वह बेटे को लेकर मेट्रो स्टेशन पर पहुंची। उसे मेरठ जाना था। इसलिए वह गाजियाबाद जाने वाली ट्रेन में सवार हुई। लेकिन उसका बेटा प्लेटफार्म पर ही रह गया। वह बेटे के लिए वापस ट्रेन से उतरी तो उस वक्त उसकी साड़ी गेट में फंस गई। उसी वक्त मेट्रो ट्रेन चल पड़ी और वह घिसटती हुई चली गई।

मयूर विहार में लकड़ी की गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके स्थित चिल्ला गांव में लकड़ी के गोदाम में भीषण आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर तकरीबन एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां पहुंच चुकी है और आग को काबू करने में जुटी है। इस आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं, गोदाम में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है। दमकल विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर 12:42 पर चिल्ला गांव में लकड़ी गोदाम में आग लगने की सूचना मिली, सूचना मिलने ही दमकल की टीम को मौके पर भेजा गया। आग की गंभीरता को देखते हुए अब तक 23 फायर टेंडर को मौके पर भेजा जा चुका है। आग की भयावहता को देखते हुए गोदाम के आसपास के मकानों को खाली कराया गया। फायर बिग्रेड की टीम की घंटों की मशक्कत से आग पर काबू पा लिया गया है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि आग को काबू कर लिया गया है। अब कूलिंग का काम किया जा रहा है। इस आग में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन आग के पूरी तरह ठंडे होने पर पूरी तरह से मामले की तफ्तीश की जाएगी।

बांसुरी स्वराज का दिल्ली सरकार पर आरोप, सुधार के लिए 9 वर्षों में नहीं किया काम

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा सचिव बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी के बयान को देखकर लोग हैरान हैं। आतिशी ने कहा है कि खेल भी एक छात्र के समग्र विकास के लिए शिक्षा जितना ही महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार ने पिछले 9 वर्षों में यह स्थापित करने के लिए कुछ भी नहीं किया है। क्या वास्तव में दिल्ली सरकार के स्कूलों में खेल विकास के लिए चिंतित है? बांसुरी स्वराज ने कहा कि 4 साल पहले दिल्ली सरकार ने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को विकसित करने के लिए एक ईंट भी नहीं उठाई गई। उन्होंने कहा कि साल 2021 में सिविल लाइंस में एक स्पोर्ट्स स्कूल की भी घोषणा की गई थी, लेकिन यह भी एक फ्लॉप शो है। सरकार ने इसमें बमुश्किल 90 बच्चों का नामांकन किया है। ऐसा लगता है कि दिल्ली सरकार का मानना है कि 2 करोड़ की आबादी में मुश्किल से 90 बच्चे खिलाड़ी बनने की क्षमता रखते हैं।

कोहरे से ज्यादा लेट हुई ट्रेन तो वापसी में उसकी जगह दूसरी ट्रेन चलाएगा रेलवे

नई दिल्ली। कोहरे के कारण दिल्ली से लखनऊ, दिल्ली से पटना, दिल्ली से अंबाला समेत अन्य रूटों पर सबसे अधिक ट्रेनें प्रभावित होती हैं। कोहरे में कम दृश्यता के कारण नियमित ट्रेनों का संचालन भी विलंब से हो रहा है। जो ट्रेनें देरी से दिल्ली पहुंचती हैं, वापसी में उनका संचालन भी कई बार देरी से होता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि ट्रेनों के मेंटेनेंस में दो से छह घंटे तक का वक्त लगता है। बिना मेंटेनेंस के और पूरी जांच किए ट्रेनों का संचालन नहीं किया जा सकता है। लेकिन अब इस समस्या से लोगों को निजात मिलने वाली है। दरअसल रेलवे अधकारियों के मुताबिक, विलंब से आने वाली ट्रेनों के वापसी के समय, उसी नाम से दूसरी ट्रेन चलाई जाएगी। इससे यात्रियों को ट्रेन का घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

दिल्ली में ग्रैप 3 की पाबंदियां लागू होने से पहले सड़कों का करना होगा पुनर्निर्माण

नई दिल्ली। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू है। प्रदूषण बढ़ने पर इसके अंतर्गत चार चरणों में पाबंदियां बढ़ाई जाती हैं। अभी तीसरे चरण यानी ग्रैप-3 की पाबंदियां हटी हुई हैं, लेकिन अगर प्रदूषण बढ़ा तो दोबारा ग्रैप-3 लागू कर दिया जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो सड़कों को गड्ढा मुक्त करने या पुनर्निर्माण का कार्य बंद हो जाएगा। इसलिए राजधानी में चल रहे सड़क निर्माण कार्य को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को जल्द पूरा करना होगा। गत 16 दिसंबर को पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने दिल्ली में सड़कों पर गड्ढे और जगह-जगह टूटी सड़कों को लेकर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के प्रधान सचिव को पत्र लिखा है, जिसमें 15 दिन में दिल्ली की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अल्टीमेटम दिया गया है। साथ ही कार्य प्रगति की दैनिक रिपोर्ट देने को भी कहा गया है। इतना ही नहीं, जहां पर जरूरत है वहां पर आवश्यकतानुसार एक जनवरी से 29 फरवरी तक सड़कों का पुनर्निमाण किए जाने को भी कहा गया है।

बंपर सेल के साथ सत्रह दिवसीय सरस फूड फेस्टिवल हुआ संपन्न

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान (एनआईआर डीपीआर) द्वारा आयोजित सत्रह दिवसीय सरस फूड फेस्टिवल का आज सफलता पूर्वक समापन हो गया। समापन समारोह के इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार सिंह, अपर सचिव चरणजीत सिंह, संयुक्त सचिव स्वाती शर्मा, स्मृति शरण, राघवेंद्र प्रताप सिंह व चिरंजी लाल कटारिया समेत मंत्रालय के तमाम अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस सफल आयोजन के लिए सचिव शैलेश कुमार सिंह ग्रामीण विकास मंत्रालय व एनआइआरडीपीआर के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में हम और भी सफलता पूर्वक इसका आयोजन करेंगे। साथ ही उन्होंने

कहा कि जिस तरीके से इस फूड फेस्टिवल में हाइजीन, साफ-सफाई व टेक्नोलॉजी से काम किया गया वह काबीले तारीफ है। इसके साथ ही उन्होंने यहां पर आई हुई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी बधाई दिया जिनमें से कइयों ने दिल्ली में पहली बार आकर सफलता पूर्वक दिल्ली वालों को स्वाद का जायका चखाया। इसके साथ ही भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सरस फ़ूड फ़ेस्टिवल का दौरा किया। इसमें गृह मंत्रालय, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय तथा कृषि मंत्रालय के अधिकारियों ने सरस फूड फेस्टिवल का दौरा किया। इस दौरान इन अधिकारियों ने सरस फूड फेस्टिवल के प्रबंधन व आयोजन की तारीफ़ की। साथ ही इस आयोजन के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय व एनआईआरडीपीआर को धन्यवाद भी दिया। ज्ञात हो कि स्वाद और संस्कृति का संगम सरस फूड फेस्टिवल एक दिसंबर से सत्रह दिसंबर तक दिल्ली के दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर आयोजित किया गया था। सरस फूड फेस्टिवल में लोगों को देश भर के खाने एक ही जगह पर मिले। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा आयोजित इस फेस्टिवल में राजधानी के लोगों को भारतीय संस्कृति व खान पान की झलक दिखाई दी। सरस फूड फेस्टिवल के तहत देश भर के 21 राज्यों की संस्कृति और स्वाद के संगम के संगम से न केवल रूबरू हुए बल्कि इन राज्यों के सामाजिक ताने बाने के बारे में भी जानकारी प्राप्त किया व वहां की प्रसिद्ध व्यंजनों से परिचित हुए और उसका स्वाद चखा। दूसरी बार सरस फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया।

टंकारा में महर्षि दयानन्द की 200 वी जन्म जयंती विशाल आयोजन 10 से 12 फरवरी को

नयी दिल्ली। डीएवी कालेज प्रबन्धकर्त्री समिति एव महर्षि दयानन्द स्मारक ट्रस्ट टंकारा के प्रधान और कार्यक्रम के मुख्य अथिति पदमश्री पूनम सूरी ने आर्य समाज ग्रेटर कैलाश -1 में आयोजित सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा , दिल्ली की आर्य संस्थाओं व देशभर के आर्य प्रतिनिधि सभाओं , गुरुकुलो के सयुक्त ज्ञान ज्योति महोत्सव कार्यक्रम के मौके पर कहा महर्षि दयानन्द की 200 वी जन्म जयंती गुजरात के टंकारा 10 से 12 फरवरी को मनाने का निर्णय एक एतिहासिक कदम है। आर्य समाज के प्रवक्ता और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने बताया की सभी आर्य संस्थाओं और डीएवी शिक्षण संस्थाओं का सामूहिक प्रयास विश्व और समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा सभी आर्य एक जुट हो कर यहाँ एक दर्शनीय स्थल का निर्माण करेंगे ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समीति के प्रधान और जे बी एम् ग्रुप के चेयरमैन सुरिंदर कुमार आर्य ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की उन्होंने देश विदेश के सभी आर्य प्रतिनिधियों को युवा पीढ़ी को संस्कारित करने की प्रेरणा देते हुए इस कार्यक्रम में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी का आहवांन किया। इस अवसर

पर वैदिक साहित्य और प्रचार सामग्री का भी लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सुरेश चन्द्र आर्य ने कहा महर्षि दयानन्द की 200 वी जन्म जयंती के लिए सारे देश की आर्य समाजे और आर्य प्रतिनिधि सभाएं इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में भरपूर योगदान दें। सार्वदेशिक आर्य वीर दल के प्रधान सेनापति स्वामी डा देवव्रत सरस्वती , प्रधान संचालक आचार्य सत्यवीर और देश भर से आये आर्य प्रतिनिधि सभाओं के अधिकारी शामिल हुए ।

हरमीत सिंह कालका ने सिख पंथ के साथ गद्दारी करते हुए बंदी सिंहों की रिहाई के लिए आयोजित रोष प्रदर्शन को स्थगित करवाया : परमजीत सिंह सरना

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह सरना ने कहा है कि बंदी सिंहों की रिहाई के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा 20 दिसंबर को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब से राष्ट्रपति भवन तक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाना था लेकिन दिल्ली कमेटी के कठपुतली अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका द्वारा पैदा की गई बाधा के चलते इसे स्थगित करना पड़ा। यहां जारी एक बयान में सरदार सरना ने कहा कि इस विरोध मार्च के लिए दिल्ली की संगत ने पूरी तैयारी कर ली थी और पंजाब व देश के अन्य राज्यों से सिख संगठन बड़ी संख्या में इस मार्च में शामिल होने के लिए आने वाले थे मगर हरमीत सिंह कालका ने सिख कौम के साथ गद्दारी करते हुए इस मार्च को स्थगित करने के लिए नकारात्मक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि

हरमीत सिंह कालका ने जिस पांच सदस्यीय कमेटी का हवाला देते हुए इस पूरे कार्यक्रम को रद्द करवाया है। वह 6 दिसंबर को उस कमेटी का हिस्सा बने थे जबकि यह कार्यक्रम 3 दिसंबर को शिरोमणि कमेटी की आंतरिक कमेटी में ही तय हो चुका था व उससे पहले शिरोमणि अकाली दल की कोर कमेटी की बैठक में इसकी रूपरेखा तैयार की गई थी इसलिए कालका द्वारा बाद में बनी कमेटी की एकजुटता के आधार पर पहले से तैयार कार्यक्रम को रद्द करने का तर्क कैसे दिया सकता है? इससे स्पष्ट होता है कि यह केवल बहाना है।

अल्फ़ाड्रॉइड रोबोट सेवा उद्योग के युग को बदल रहा है : संजीव कुमार

नई दिल्ली। सब्सक्रिप्शन-आधारित आरएएस (एक सेवा के रूप में रोबोट) कंपनी में भारत की अग्रणी अल्फ़ाड्रॉइड, रेस्तरां उद्योग में क्रांति ला रही है और 17 दिसंबर, 2023 को मैरीचम कबाब एस्टेट, नोएडा में डिजिटल भोजन का अनुभव देने के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम इस बात का प्रतीक है डिजिटल डाइनिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करने में एक बड़ी छलांग। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अल्फाद रोबोट है और जो चीज अल्फा को अलग करती है वह है इसकी अद्वितीय गतिशील अनुकूलन क्षमता, जिसे सम्मानित ग्राहकों की समझदार जरूरतों के साथ विकसित करने के लिए सावधानीपूर्वक इंजीनियर किया गया है। नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी में,

अल्फ़ाड्रॉइड का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर अपनी साझेदारी और उपस्थिति का विस्तार करना है।

अल-संचालित सर्विस रोबोट से लेकर वैयक्तिकृत संवादी 3डी अवतार तक, अल्फ़ाड्रॉइड अतिथि अनुभव वृद्धि का भविष्य प्रस्तुत करता है। इस कार्यक्रम पर अपने विचार साझा करते हुए, अल्फ़ाड्रॉइड के संस्थापक, संजीव कुमार ने कहा, अल्फ़ाड्रॉइड भारत के रेस्तरां और आतिथ्य उद्योग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। हम किफायती और विश्वसनीय कटिंग के माध्यम से ग्राहकों को निर्बाध कनेक्टेड डिजिटल अनुभव प्रदान करने की इस यात्रा को शुरू करने के लिए रोमांचित हैं। एज डिजिटल समाधान। आज का प्रदर्शन रेस्तरां के लिए अल्फाड्रॉइड की विशाल संभावनाओं की एक झलक पेश करता है। जनवरी 2024 के लिए हमारी आधिकारिक बाजार तैनाती के बावजूद, हम पहले से ही सराहनीय प्री-बुकिंग और निरंतर रुचि देख रहे हैं। मैं आधुनिकीकरण की खुलेपन और स्वीकृति के लिए आतिथ्य और रेस्तरां उद्योग के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। अल्फाड्रॉइड कई नवाचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है आने वाले दिन, एक प्रगतिशील परिवर्तन का वादा करते हैं।

एल्फाड्रॉइड, रास में अग्रणी के रूप में, जन्मदिन, सालगिरह या उपयुक्त पृष्ठभूमि के साथ अनुकूलित स्क्रीन के साथ किसी भी कार्यक्रम जैसे हर अवसर के लिए स्क्रीन पर प्रदर्शित मनोरम डिजिटल मेनू के साथ भोजन के अनुभव को बढ़ाने का प्रयास करता है।

आईएएस सोनल गोयल ने बच्चों को दी ज़रूरतमंदों की मदद की सीख

नई दिल्ली। ग़ैर-सरकारी संगठन सर्व हितम् मानव सेवा संस्थानद्वारा गीता कॉलोनी के सेंट लॉरेंस कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एककलेक्शन ड्राइव का आयोजन किया गया।इस ड्राइव के तहत बच्चों ने अपने पुराने और उपयोग में न आने वाले ऊनी कपड़े, कम्बल इत्यादि दान में दिए। सर्व हितम् मानव सेवा संस्थान, दान की गई इन वस्तुओं को ज़रूरतमंदों तक पहुँचाएगा। त्रिपुरा सरकार में सचिव के पद पर कार्यरत चर्चित आईएएस अधिकारी सोनल गोयल इस मौके पर मौजूद रहीं और उन्होंने बच्चों के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। आईएएस सोनल गोयल इन दिनों काफ़ी चर्चा में हैं। सोनल अपने प्रशासनिक दायित्वों को बखूबी निभाते हुए समाजहित के कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहती हैं। यूथ आइकन कही जाने वालीं

सोनल, एक लेखिका भी हैं। जिन्होंने हाल ही में 'नेशन कॉलिंग पुस्तक लिखी है। छात्रों मेंसामाजिक दायित्व को प्रोत्साहित करने की आशा से इस कलेक्शन ड्राइव का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित होकर आईएएस सोनल गोयल ने गरम कपड़े बाँट, बच्चों संग प्रार्थना गीत ऐ मालिक तेरे बंदे हम भी गाया। आईएएसअधिकारी को अपने बीच पाकर बच्चे काफ़ी उत्साहित नज़र आये। प्रोजेक्ट 'अरुणा' सर्व हितम् मानव सेवा संस्थानकी एक परियोजना है, जिसका लक्ष्य दिल्ली की कड़कड़ाती सर्दी के क़हर से ज़रूरतमंद लोगों को बचाना है। सर्दी के मौसम में हर साल सड़क किनारे रहने वालेकई बेघर लोगों की ठंड से मृत्यु हो जाती है। इसी के मद्देनज़र रखते हुए प्रोजेक्ट 'अरुणा' की शुरुआत की गई है। ताकि उन सभी जरूरतमंदों तक मदद पहुँचाई जा सके,जिनके पास सर्दी से बचने के ज़रूरी साधन उपलब्ध नहीं हैं।

पायनियर कमल कांवेंट स्कूल विकास नगर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

नई दिल्ली (अ.इ.)।

पॉयनियर कमल कावेंट स्कूल विकास नगर का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें भारी संख्या में माता-पिता उपस्थित रहे। विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जोनल लेवल, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर विभिन्न प्रतियोगिताओं में आये बच्चों को पुरस्कृत किया गया। स्कूल की प्राधनाचार्या श्रीमती मल्लिका बजाज ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें श्रीमती बजाज ने मुख्य तौर से स्कूल के सत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम और खेलकूद में विशिष्ट स्थान प्राप्त किये बच्चों के प्रतिभाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही साथ रोप स्कीपिंग में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत बच्चों के परिश्रम

की प्रशंसा की। श्रीमती बजाज ने बताया कि फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट को ध्यान में रखते हुए कोडिंग एवं आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स की पढ़ाई पर अभी से जोर दिया जा रहा है। समारोह में विधायक महेन्द्र यादव, निगम पार्षद श्री अशोक पाडेय, एस. एच.ओ. मुकेश कुमार, शिक्षा विभाग के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस उपलक्ष्य में विधायक महेन्द्र यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्कूल क्षेत्र का बेहतरीन स्कूल है जो बच्चों के सर्वांगीण विकास को लक्षित कर बच्चों के संपूर्ण विकास पर जोर देता है। स्कूल की प्रबंधिका डॉ. सीमा बाजाज ने प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया।

विदेश से आए तोहफे के बहाने ठग रहे जालसाज

नई दिल्ली। कस्टम में तोहफा फंसे होने की कॉल कर लोगों से ठगी के कुछ मामले सामने आए हैं। इस तरह की कई शिकायतें कस्टम विभाग के पास आई हैं। इसे लेकर कस्टम विभाग ने लोगों के बीच जागरुकता अभियान शुरु किया है। लोगों को बताया जा रहा है कि कस्टम विभाग किसी भी प्रकार का शुल्क वसूलने के लिए न तो कॉल करता है और ना ही कोई मैसेज भेजता है। कस्टम विभाग के अनुसार बीते कुछ समय से कस्टम अधिकारी बनकर लोगों से की जा रही ठगी का पता चला है। लोगों को कॉल कर ठग बताते हैं कि उनका तोहफा कस्टम विभाग के पास है। बैंक खाते में शुल्क जमा कराकर वह इस तोहफे को ले सकते हैं। बड़ी संख्या में लोग इनके झांसे में फंसकर बैंक खाते में रुपये डाल रहे हैं। ऐसे लोगों को ठगी से बचाने के लिए कस्टम विभाग ने सतर्क रहने की सलाह दी है।

कमल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

नई दिल्ली (अ.इ.)।

कमल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल डी ब्लॉक विकासपुरी द्वारा विद्यालय के वार्षिकोत्सव का बड़े ही धूमधाम से आयोजन किया गया। इस उत्सव में संगीत, नृत्य, रंगमंच, कला और अभिनय से जुड़े कार्यक्रमों का सुंदर तथा व्यवस्थित संचालन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों को एक सूत्र में पिरोते हुए टाईनी फीट ग्लोबल बीट शीर्षक से बच्चों की नृत्य कला को सुंदर और मनोरंजक रूप में उकेरा गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अस्तित्व सपनों की उड़ान बैले रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री विजय सिंह आईपीएस (डायरेक्टर दिल्ली पुलिस अकादमी), डॉ राजवीर सिंह (डी डी ई डिस्टिक वेस्ट बी) तथा डॉ भूपेंद्र सिंह (डायरेक्टर एस सी ई आर टी) के

कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। सभी कक्षाओं के मेधावी छात्र- छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पाठ्य सहगामी क्रियाओं में तथा जोनल, इंटर जोनल व राज्य स्तर पर विद्यालय का गौरव बढ़ाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। श्री विजय सिंह जी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ रीमा टंडन द्वारा विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों का विस्तृत वर्णन तथा विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया गया। कमल एजुकेशनल इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष डॉ आर के टंडन ने बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें वसुदेव कुटुंबकम का सही अर्थ समझाया जिससे बच्चे अपनी संस्कृति और सभ्यता से जुड़े रहे। कार्यक्रम का समापन जय हो की मधुर धुन के साथ किया गया।

निगम के कुशल और अकुशल श्रमिकों का वेतन बढ़ना चाहिए दस फीसदी : बी.एल.जीनवाल

नई दिल्ली/एजेंसी। बाबरपुर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष बी.एल.जीनवाल का कहना है कि दिल्ली सरकार दिल्ली नगर निगम के अकुशल, अर्ध कुशल और कुशल श्रमिकों का वेतन वृद्धि करके अपनी पीठ थपथपा रही है जबकि मात्र 500 रुपये मासिक की वृद्धि बहुत ही कम है। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों की कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि होनी चाहिए क्योंकि महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल दिल्ली सरकार को महंगाई का आंकलन करके न्यूनतम वेतन में वृद्धि करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में निगम कर्मचारियों की आर्थिक रूप से बदहाल स्थिति में है। न तो उनको कोई पेंशन मिल रही है और न ही अन्य सुविधाएं मिल रही है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस पार्टी पिछले कई वर्षो से निगम कर्मियों के वेतन में उचित बढ़ोत्तरी की मांग करती आई है। निगम द्वारा कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि तर्कसंगत नही है। बी.एल.जीनवाल नें कहा ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों के अकुशल, अर्द्ध कुशल और कुशल श्रमिकों के न्यूनतम मासिक वेतन में वृद्धि की घोषणा पर अमल होना चाहिए, कहीं यह घोषणा भी मुख्यमंत्री द्वारा अस्थाई/अनुबंधित कर्मचारियों, आंगनबाड़ी वर्कर और गेस्ट टीचरों को नियमित करने के वायदे की तरह जुमला साबित न हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 1 नवम्बर को दिल्ली नगर निगम के 5000 सफाई कर्मचारियों को पक्का करने की घोषणा की थी, परंतु अभी तक इस कोई कार्यवाही नही की गई, यह घोषणा भी खोखली साबित हुई, जबकि यह कर्मचारी पिछले एक दशक से भी पहले से स्थाई नौकरी का इंतजार कर रहे है। श्री जीनवाल कहा कि सरकार की घोषणा कि एक अप्रैल से वेतन में वृद्धि होगी।